

मौना लोआ ज्वालामुखी

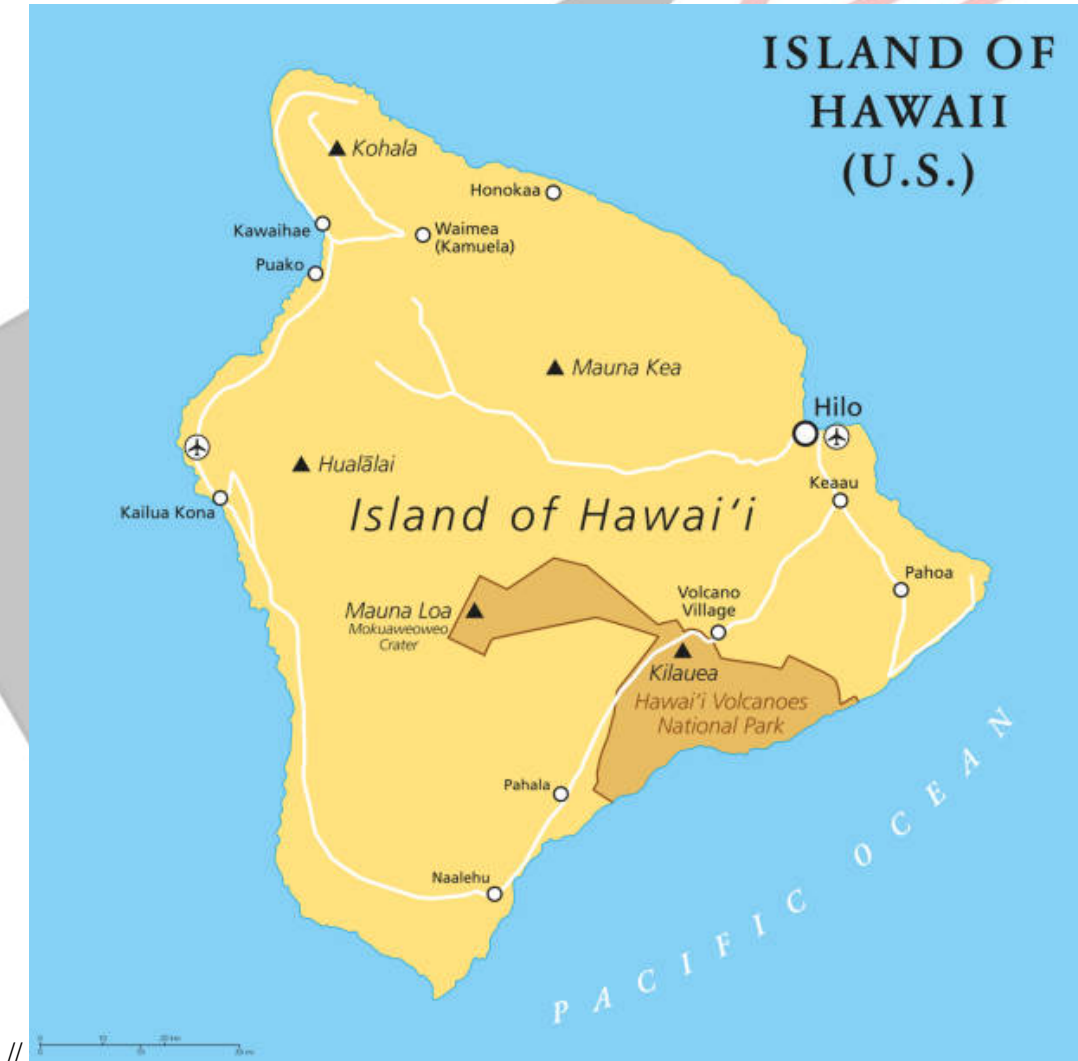
प्रलम्बिस के लयि:

ज्वालामुखी, रगि ऑफ फायर

मेन्स के लयि:

ज्वालामुखी और उसका वतिरण

दुनयिा के सबसे बड़े सकरयि [ज्वालामुखी](#) मौना लोआ में नकिट भवषिय में वसिफोट हो सकता है ।



मौना लोआ:

- मौना लोआ उन पाँच ज्वालामुखियों में से एक है जो मलिकर **हवाई द्वीप बनाते हैं**।
- यह हवाई द्वीप समूह का **सबसे दक्षिणी द्वीप है**।
- यह सबसे ऊँचा नहीं है (सबसे ऊँचा मौना की है) लेकिन सबसे बड़ा है और द्वीपीय भूमिका लगभग आधा हसिसे का नरिमाण करता है।
- यह **कलाऊआ ज्वालामुखी** के ठीक उत्तर में स्थित है, वर्तमान में इसके क्रेटर में वसिफोट हो रहा है।
 - कलाऊआ वर्ष 2018 के वसिफोट के लिये प्रसदिध है जसिने 700 घरों को नष्ट कर दया और इसका लावा खेतों एवं समुद्र में फैल गया था।
- मौना लोआ में आखरी बार 38 साल पहले वसिफोट हुआ था।

अन्य ज्वालामुखी

- जनिमें हाल ही में वसिफोट हुआ:
 - सांगे ज्वालामुखी, इकवाडोर
 - ताल ज्वालामुखी, फलीपीस
 - माउंट सनाबुंग, मेरापी ज्वालामुखी, सेमेरू ज्वालामुखी (इंडोनेशया)
- भारत में ज्वालामुखी:
 - बैरन द्वीप, अंडमान द्वीप समूह (भारत का एकमात्र सक्रयि ज्वालामुखी)
 - नारकोंडम, अंडमान द्वीप समूह
 - बारतंग, अंडमान द्वीप समूह
 - डेककन ट्रैप्स, महाराष्ट्र
 - धनीधर हलिस, गुजरात
 - धोसी हलि, हरयाणा

दुनया भर में फैले ज्वालामुखी:

- ज्वालामुखियों को दुनया भर में ज़यादातर **प्लेट वविरतनकि** के कनारों के साथ वतितरि कया जाता है, हालाँकि कुछ इंट्रा-प्लेट ज्वालामुखी भी हैं जो मेंटल हॉटस्पॉट्स (जैसे, हवाई) से बनते हैं।
- आइसलैंड जैसे कुछ ज्वालामुखीय क्षेत्रों में हॉटस्पॉट और प्लेट सीमा दोनों होती हैं।
- वशिव में ज्वालामुखी का वसितार:
 - पर-प्रशांत बेल्ट:
 - पैसफिकि "रगि ऑफ फायर" ज्वालामुखियों की एक शृंखला है और यह प्रशांत महासागर के कनारों के आसपास, पृथ्वी के अधिकांश सबडकशन क्षेत्रों में उच्च भूकंपीय गतविधि वाले क्षेत्रों में स्थित है।
 - पैसफिकि रगि ऑफ फायर में कुल 452 ज्वालामुखी हैं।
 - इसके अधिकांश सक्रयि ज्वालामुखी रूस के कामचटका प्रायद्वीप से लेकर जापान और दक्षिण-पूर्व एशया में न्यूजीलैंड के द्वीपों तक इसके पश्चिमी कनारे पर स्थित हैं।
 - मध्य महाद्वीपीय बेल्ट:
 - यह ज्वालामुखी बेल्ट यूरोप, उत्तरी अमेरिका की अल्पाइन पर्वत शृंखला के साथ-साथ एशया माइनर, काकेशया, ईरान, अफगानसितान और पाकसितान के माध्यम से हिमालय पर्वत शृंखला तक फैली हुई है जसिमें तबिबत, पामीर, तयानशान, अल्टाई और चीन म्याँमार तथा पूर्वी साइबेरया के पहाड़ शामिल हैं।
 - इस बेल्ट के अंतरगत आल्प्स पर्वत, भूमध्य सागर (सूट्रोमबोली, वेसुवयिस, एटना, आदि), एजयिन सागर के ज्वालामुखी, माउंट अरारत (तुरकयि), एलबुर्ज, हटिकुश और हिमालय के ज्वालामुखी शामिल हैं।
 - मध्य अटलांटिकि रजि:
 - मध्य-अटलांटिकि रजि उत्तरी और दक्षिणी अमेरिकी प्लेट को यूरेशयिन एवं अफ्रीकी प्लेट से अलग करता है।
 - मैग्मा समुद्र तल की दरारों से निकलकर ऊपर की ओर उठता है तथा उपरी भागों पर बहने लगते हैं। जैसे ही मैग्मा पानी में मलिता है, यह ठंडा होकर जम जाता है तथा जनि प्लेटों से होकर गुजरता है वे प्लेट कड़े होते जाते हैं और ये प्लेट आपस में जुड़ते जाते हैं।
 - अपसारी सीमा के साथ इस प्रक्रया ने दुनया के महासागरों के नीचे मध्य महासागरीय कटकों के रूप में सबसे लंबी स्थलाकृतिक संरचना नरिमति की है।
 - इंट्रा-प्लेट ज्वालामुखी:
 - वशिव में जज़ात ज्वालामुखी के 5% (जो प्लेट मारजनि से नकिटता से संबंथति नहीं हैं) इंट्रा-प्लेट, या "हॉट-स्पॉट" ज्वालामुखी के रुप में संदरभति कयि जाते हैं।
 - हॉट-स्पॉट एक गहन मेंटल प्लम के ऊर्धवाधर गमन से संबंथति होता है जसिका कारण पृथ्वी के मेंटल में अत्यधिक चपिचपि पदार्थ का धीमी गतसे प्रवाहति होना है।
 - इसे एकल महासागरीय ज्वालामुखी या हवाई-एम्परर सीमाउंट शृंखला (Hawaiian-Emperor seamount chains) जैसे ज्वालामुखियों की शृंखला द्वारा दर्शाया जा सकता है।



यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

1. बैरन द्वीप ज्वालामुखी भारतीय क्षेत्र में स्थित एक सक्रिय ज्वालामुखी है।
2. बैरन द्वीप ग्रेट निकोबार से लगभग 140 किलोमीटर पूर्व में स्थित है।
3. पछिली बार वर्ष 1991 में बैरन द्वीप ज्वालामुखी में वसिफोट हुआ था और तब से यह निष्क्रिय है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) केवल 1 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- बैरन द्वीप भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है जो अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्थित है। अतः कथन 1 सही है।
- यह अंडमान सागर में अंडमान द्वीप के दक्षिणी भाग पोर्ट ब्लेयर से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बैरन द्वीप से ग्रेट निकोबार के बीच की दूरी दी गई दूरी से अधिक है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- यहाँ ज्वालामुखी का पहला रिकॉर्डेड वसिफोट वर्ष 1787 में हुआ था। पछिले 100 वर्षों में इसमें कम-से-कम पाँच बार वसिफोट हो चुका है। इसके बाद अगले 100 वर्षों तक यह निष्क्रिय रहा। वर्ष 1991 में बड़े पैमाने पर फेरि से इसमें वसिफोट हुआ था
- तब से हर दो-तीन वर्षों में इसमें वसिफोट दर्ज किया गया है, इस शृंखला में नवीनतम वसिफोट फरवरी 2016 में हुआ था। अतः कथन 3 सही नहीं है।

??????????:

प्रश्न. परिप्रशांत क्षेत्र के भू-भौतिकीय अभिलक्षणों का विवरण कीजिये। (2020)

प्रश्न. वर्ष 2021 में घटित ज्वालामुखी वसिफोटों की वैश्विक घटनाओं का उल्लेख करते हुए क्षेत्रीय पर्यावरण पर पड़े उनके प्रभाव को बताइये। (2021)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mauna-loa-volcano>

